मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 107 ■ बुधवार, 9 जुलाई 2025 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
epaper.ulhasvikas.com

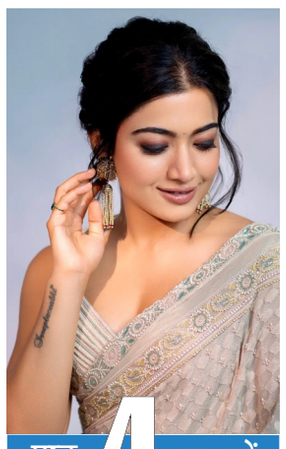

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

रश्मिका मंदाना के बयान पर हुआ विवाद

ठाणे जिले में पानी का टेंशन खत्म

■ बारवी बांध में 69 प्रतिशत भरा

कल्याण. ठाणे जिले की कई महानगर पालिका क्षेत्रों समेत एमआईडीसी को जलापूर्ति करने वाले बारवी बांध के आसपास के क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से अच्छी बारिश हो रही है। अप्रैल में बारवी डैम में केवल 28 प्रतिशत जलभंडार बचा था, लेकिन पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है। इस बारिश से दोनों बांधों का जलस्तर बढ़ गया है। वर्तमान में 69 प्रतिशत से अधिक जल संग्रहण है। परिणामस्वरूप, ठाणे जिले में इस वर्ष की जल समस्या लगभग हल हो गई है।

मई के अंतिम सप्ताह में बांध क्षेत्रों में 180 मिमी वर्षा दर्ज की गई। जून और जुलाई के प्रारम्भ में भारी बारिश हुई है। डैम में भरपूर पानी होने से इससे जलापूर्ति होने वालों शहरों की पानी की चिंता खत्म हो गई है। कल्याण-डोंबिवली, उल्हासनगर , अंबरनाथ, भिवंडी , मीरा-भाईंदर और ठाणे के कई ग्रामीण क्षेत्रों को जलापूर्ति करने

वाले बारवी डैम में 69 प्रतिशत पानी है। 8 जुलाई की सुबह 7 बजे तक बारवी डैम में 68.65 मीटर पानी था. डैमम के ओवर फ्लो होने का लेवल 72.60 मीटर है. फिलहाल, डैम में 234.21 एमसीएम यानी 69.13 फीसदी पानी है। डैम की ऊंचाई 72.60 मीटर है। वहीं पिछले साल 8 जुलाई 2024 को डैम में 101.20 एमसीएम यानी 29.86 फीसदी पानी था.

बारवी बांध, ठाणे जिले और नवी मुंबई को जलापूर्ति करता है। यह बांध 746 मीटर लंबा और 48.78 मीटर ऊंचा है। इसकी लाइव स्टोरेज क्षमता 176.94 मिलियन क्यूबिक मीटर है। बारवी बांध का मुख्य उद्देश्य ठाणे और नवी मुंबई की पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करना है।

ठाणे के नागरिकों के लिए पानी का मुद्दा एक बड़ी समस्या बन गया था। इससे निजात पाने के लिए सरकारी स्तर पर विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अब जब भारी बारिश हो रही है तो नागरिकों को पानी की समस्या से राहत मिलेगी।

अंबरनाथ में हत्या

■ सर और गले पर वार करके 34 वर्षीय व्यक्ति की हत्या

■ हत्यारों की तलाश कर रही पुलिस

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व में 7 जुलाई की रात में अज्ञात हत्यारों ने एक 34 वर्षीय व्यक्ति की अज्ञात कारणों से सर और गले पर धारदार हथियार से वार करके हत्या कर दी है. ये घटना रात 1.30 बजे की है. शिवाजी नगर पुलिस ने मृत व्यक्ति का नाम निजामुद्दीन रफीक अंसारी (34) बताया है. ये हत्या शिवसेना शाखा के पास सचिन टी होटल के आगे हुई है. शिवाजी नगर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है.

पुलिस ने बताया कि अज्ञात हत्यारों ने अज्ञात कारणों से रात में तेज धार वाले हथियार से सर और गले पर वार करके हत्या की है. पुलिस आसपास के सीसीटीवी फुटेज से ये पता लगाने का प्रयास कर रही है कि हत्यारे कौन हैं? शिवाजी नगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रमेश पाटिल इस हत्या की जांच कर रहे हैं. रात 1.30 बजे हुई हत्या को लेकर पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि कहीं ये हत्या लूटपाट के हेतु से तो नहीं की गई है. अथवा किसी पुरानी दुश्मनी को लेकर हत्या की गई है.

अंबरनाथ में गांजा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई पड़ी ठंडी

अंबरनाथ. पिछले कुछ दिनों में गांजा के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई तेज हो गई थी. इस अभियान में पुलिस ने कई गांजा विक्रेताओं और गांजा उपयोगकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की थी. जब शहर में गांजा विक्रेताओं पर अंकुश लगा हुआ था, ऐसे में पुलिस की कार्रवाई धीमी हो गई और गांजा विक्रेताओं की संख्या फिर से बढ़ गई है. देखा जा रहा है कि युवा पीढ़ी एक बार फिर गांजा के सेवन की ओर मुड़ रही है।

शहर में आने वाले मारिजुआना और अन्य नशीले पदार्थों के स्टॉक को तुरंत नष्ट करने और गांजा तस्करों को रोकने के लिए आवश्यक उपाय करने की आवश्यकता है. पुलिस प्रणाली केवल अस्थायी कार्रवाई कर रही है और अपनी पीठ थपथपा रही है। जब पुलिस की कार्रवाई धीमी पड़ जाती है, तो शहर में मारिजुआना की बिक्री फिर से बढ़ जाती है। इन सबके कारण माता-पिता चिंतित हैं कि युवा पीढ़ी मारिजुआना और अन्य नशीले पदार्थों की आदी होती जा रही है।

उल्हासनगर में चाकू की नोक पर लूटने वाला गिरफ्तार

■ उल्हासनगर 1 की घटना

■ आरोपी गिरफ्तार

■ सीसीटीवी फुटेज की मदद से पकड़ाया

■ एक साथी आरोपी फरार

उल्हासनगर. उल्हासनगर-1 इलाके में चाकू की नोक पर लूट की एक चौंकाने वाली घटना हुई हैं। जिसमें स्थानीय पुलिस ने सौ से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद आरोपी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। इस घटना ने कुछ समय के लिए शहर में हड़कंप मचा दिया था। घटना शनिवार 28 जून को शाम करीब 7:30 बजे की है।

रवि वाटवानी कल्याण-मुरबाड रोड पर सेंचुरी रेयान इलाके के अजमेरा कंस्ट्रक्शन से अपनी मोटरसाइकिल पर सवार होकर जा रहे थे, तभी एक अज्ञात व्यक्ति उनके पीछे बैठ गया। उसने यह कहकर भरोसा बनाने की कोशिश की, 'रवि भाई, मुझे आगे छोड़ दो, मैं तुम्हें पहचानता हूं'। लेकिन रवि ने उसे मना कर दिया और कहा कि आगे ट्रैफिक है। उस समय आरोपी सूरज परघने ने रवि की टी-शर्ट में चाकू घोंप दिया और उसे धमकाया। 'तुमें एक लड़का और एक लड़की है, मैं सब जानता हूं' कहकर उसने रवि को डरा दिया और उसे यू-टर्न लेने के लिए मजबूर किया। इसके बाद उसने मुरबाड की ओर जाने वाली नहर के पास मोटरसाइकिल रोक दी। आरोपी ने रवि से नकदी और मोबाइल फोन से भरा बैग छीन लिया और अपने साथी की काले रंग की एक्टिवा स्कूटर पर महारल की ओर भाग गया।

घटना के बाद रवि वाटवानी तुरंत उल्हासनगर पुलिस स्टेशन पहुंचे। पुलिस ने भी गंभीरता से संज्ञान लिया और सौ से अधिक सीसीटीवी फुटेज की जांच की। लगातार तलाशी अभियान चलाने के बाद आरोपी सूरज परघने को उल्हासनगर 3 क्षेत्र में डोली नाश्ता के पास एक घर से गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने आरोपी से वारदात में इस्तेमाल चाकू, 21,500 रुपये नकद और चोरी का मोबाइल फोन जब्त किया है। प्रारंभिक जांच में आरोपी का साथी अशोक घोरपड़े अभी भी फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस की एक टीम रवाना हो गई है। पुलिस उपनिरीक्षक लहू सातपुते, सहायक पुलिस उपनिरीक्षक मोहन श्रीवास के मार्गदर्शन में हेड कांस्टेबल जावेद मुलानी, सिद्धार्थ गायकवाड़, अविनाश जाधव, भूषण खैरनार, संदीप सोनवणे, संदीप शेकड़े और सुशील पाटिल ने इस कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उल्हासनगर पुलिस की इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई की स्थानीय नागरिकों ने सराहना की है। शहर में इस तरह के अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस विभाग सतर्क है, और नागरिकों से भी सतर्क रहने की अपील की गई है।

गावठी शराब की भट्ठी ध्वस्त

■ 58 हजार का माल किया नष्ट

■ भट्ठी चलाने वाला गिरफ्तार

उल्हासनगर. गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस उपनिरीक्षक सुरेवाड के नेतृत्व में एक टीम ने उल्हासनगर के हिल लाइन पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत काकड़वाल वन क्षेत्र में अवैध रूप से चल रही एक गावठी दारू की भट्ठी पर छापा मारा। इस दौरान गावठी शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले रसायनों सहित करीब 58,000 रुपये मूल्य के स्टॉक को मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। आरोपी सुरेश नाथा साल्वी (उम्र 56) को

घटनास्थल से गिरफ्तार कर लिया गया है।

अवैध शराब बनाने वाले गिरोहों पर रोक लगाने में पुलिस की यह कार्रवाई महत्वपूर्ण मानी जा रही है। पुलिस उपनिरीक्षक सुरेवाड को मिली सूचना के आधार पर जानकारी मिली थी कि अंबरनाथ तालुका के काकड़वाल वन क्षेत्र में अवैध शराब का निर्माण किया जा रहा है। तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्होंने और उनकी टीम ने काकड़वाल वन क्षेत्र में छापा मारा।

छापेमारी के दौरान आरोपी सुरेश नाथा साल्वी (56) को गावठी हस्तनिर्मित भट्ठी में शराब बनाने के लिए रसायन उबालते हुए पाया गया। पुलिस ने रसायन, भट्ठी सामग्री, बर्तन आदि 58,000 रुपये का सामान मौके पर ही नष्ट कर दिया. आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है और उसके खिलाफ कानूनी मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस थाने में मामले की आगे की जांच जारी है तथा आरोपियों से अधिक जानकारी प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस विभाग द्वारा इस समय की गई त्वरित कार्रवाई से वन क्षेत्र में अवैध शराब बनाने वालों पर लगाम लगी है तथा यह कार्रवाई ऐसे अपराधों पर अंकुश लगाने की दृष्टि से महत्वपूर्ण साबित हो रही है।

अंबरनाथ नपा ने सिंगल यूज प्लास्टिक किया जब्त

■ दुकानदारों से वसूला जुर्माना

⏭ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद द्वारा मंगलवार को स्टेशन परिसर एवं छत्रपति शिवाजी भाजी मार्केट में सिंगल यूज प्लास्टिक इस्तेमाल करने वाले दुकानदारों से बड़े पैमाने पर प्लास्टिक साहित्य जब्त करके और जुर्माना भी वसूल किया गया. ऐसी जानकारी अधिकारी किमिया पवार द्वारा दी गई है. इस कार्रवाई में नगर परिषद स्वच्छता विभाग के प्रमुख राजेश शिंदे और शहर पश्चिम के सभी स्वच्छता निरीक्षक ने भाग लिया.

प्लास्टिक इस्तेमाल करने पर शासन द्वारा लागू किए गए जुर्माना पहले 500 रुपए, दूसरे प्रसंग में 10 हजार रुपए और तीसरे प्रसंग में 25 हजार रुपए जुर्माना एवं तीन महिने की शिक्षा होगी. ऐसा नागरिकों एवं दुकानदारों को जनजागृति कर प्लास्टिक संबंध में जनजागृति की गई है. इस कार्रवाई से शहर के दुकानदारों में हड़कम्प मच गया था. दुकानदारों को प्लास्टिक बंदी विषय पर जानकारी भी दी गई. शहर में कुछ मिठाई के एवं किराना दुकानदार सिंगल यूज प्लास्टिक इस्तेमाल कर रहे हैं. ऐसी जानकारी नपा प्रशासन को मिल रही थी. नगर परिषद की तरफ से शहरवासियों एवं दुकानदारों को आह्वान किया गया है कि प्लास्टिक से पर्यावरण पर परिणाम होता है. उस पर अंकुश लगाने के लिए ऐसी मुहिम भविष्य में भी शुरू रहेगी.

बदलापुर का शातिर चोर उल्हासनगर से धराया

■ घरफोडी के 8 बड़े मामले सुलझे

■ उल्हासनगर क्राइम ब्रांच टीम की बड़ी कामयाबी

उल्हासनगर. उल्हासनगर क्राइम ब्रांच टीम ने घरफोडी आरोपी रोशन बाळा जाधव को गिरफ्तार कर उसके पास से भारी मात्रा में नकदी, सोने-चांदी के आभूषण, मोबाइल और लैपटॉप जब्त कर बड़ा खुलासा किया है। आरोपी ने घरफोडी के कुल 8 मामलों में अपना कबूलनामा स्वीकार किया है।

आरोपी रोशन बाळा जाधव पर मामले दर्ज गुन्हा क्रमांक 254/2025 (बदलापूर पश्चिम) में 16,05,360 रुपये की चोरी, जिसमें सोने-चांदी के आभूषण, मोबाइल और नकदी शामिल हैं। गुन्हा क्रमांक 391/2025 (बदलापूर पूर्व) में 2,32,000 रुपये का सामान जब्त। गुन्हा क्रमांक 357/2025 और 229/2025 में भी लैपटॉप और सोने के आभूषण की बरामदगी। गुन्हा क्रम अंक 370/2025 में चोरी का प्रयास। कुल मिलाकर, पुलिस ने लगभग 19,81,360 रुपये का सामान जब्त किया है।

गुप्त सूचना के आधार पर आरोपी को अमरडाय कंपनी, उल्हासनगर से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने इन 8 घरफोडी के मामलों में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। आरोपी के CCTV फुटेज और गुप्त बातमीदारा की जानकारी के आधार पर उसकी पहचान स्पष्ट हुई।

आरोपी पर पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं जिसे कि 2021 में चोरी के विभिन्न मामले, 2018 और 2023 में भी चोरी और अन्य अपराध।

उल्हासनगर क्राइम ब्रांच वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक अशोक कोली के आदेश अनुसार सपोनि श्रीरंग गोसावी पो. हवाई गणेश गावडे, पो. हवाई योगेश वाघ, पो. हवाई राजेंद्र थोरवे, पो. हवाई चंद्रकांत सावंत, पो. हवाई रितेश वंजारी, पो. कॉ.अशोक थोरवे, पो. कॉ.संजय शेरमाळे ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

अंबरनाथ पुलिस ने 3 चैन स्नैचरों को पकड़ा

■ सोने की चेन बरामद

अंबरनाथ. अंबरनाथ शिवाजी नगर पुलिस ने बदलापुर से तीन चेन स्नैचरों को गिरफ्तार किया है, जो कि शहर में चेन स्नैचिंग कर रहे थे. उनके पास से एक महिला की लूटी हुई चेन भी बरामद की गई है. गत दिनों शहर पूर्व में गैस गोडाउन के पास इन चेन स्नैचरों ने महिला की चेन छीनी थी. शुक्रवार

को बाइक पर आकर इन 3 चेन स्नैचरों ने बच्चे को स्कूल बस में छोड़ने के लिए आई हुई महिला की चेन चोरी करके भाग गए थे.

शिवाजी नगर पुलिस ने अपराध दर्ज करने के बाद डीबी पथक के पुलिसकर्मियों ने आकाश उर्फ बटला सिंह, अमन यादव और रणजीत सिंह को बदलापुर से गिरफ्तार किया है. उनके पास से महिला की सोने की चेन बरामद की गई है. तीनों को न्यायालय में पेश करके पुलिस ने रिमांड पर ले लिया है. तीनों पर इससे पूर्व भी उन पर पुलिस में अपराध दर्ज हैं. ऐसा पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने बताया है. गोपनीय जानकारी और तांत्रिक जांच के बाद आरोपियों की पहचान होने पर तीनों को बदलापुर से गिरफ्तार किया गया है. इन तीनों चेन स्नैचरों के पकड़े जाने से आशा की जा रही है कि शहर में चेन स्नैचिंग की घटनाएं अब कम होंगी.

सोशल मीडिया पर हुई मुलाकात पड़ी भारी

दोस्त ने किया शादीशुदा प्रेमिका के साथ बलात्कार

■ दुबई भागने की तैयारी कर रहा था आरोपी

■ पुलिस ने किया गिरफ्तार

कल्याण. सोशल मीडिया के जरिए हुई पहचान का फायदा उठाते हुए एक विवाहित महिला के साथ उसके कथित प्रेमी ने बलात्कार किया. पीड़िता की शिकायत के आधार पर कोनगांव पुलिस स्टेशन में बलात्कार समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। खास बात यह है कि धोखेबाज प्रेमी को कोनगांव पुलिस ने ठीक उस समय गिरफ्तार किया, जब वह दुबई भागने की तैयारी कर रहा था। गिरफ्तार धोखेबाज प्रेमी का नाम अशरफ अफसर चौधरी (रा भिवंडी नवी वस्ती) है।

पुलिस के अनुसार, कल्याण पूर्व निवासी 25 वर्षीय विवाहित महिला हाजी मलंग रोड स्थित एक बिल्डिंग में रहती है। आरोपी अशरफ भिवंडी शहर के नवीवस्ती इलाके में रहता है. दोनों की मुलाकात पिछले साल सोशल मीडिया पर हुई थी। इसके बाद दोनों में दोस्ती हो गई और प्यार का झांसा देकर आरोपी प्रेमी ने पीड़िता को शादी का झांसा दिया। इसके बाद अशरफ ने जुलाई 2024 से 27 जून 2025 तक पीड़िता के साथ अलग-अलग जगहों पर लगातार दुष्कर्म किया। इस बीच पीड़िता ने अपने प्रेमी पर शादी के लिए दबाव बनाया, लेकिन उसने इनकार कर दिया। अपने साथ हुई धोखाधड़ी का अहसास होने पर पीड़िता ने सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. स्वाति सिंह को घटना बताई। वह पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए उसे लेकर कोनगांव पुलिस स्टेशन पहुंचे।

पीड़ित महिला की शिकायत के आधार पर कोनगांव पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 64(2), (एम), 69 के तहत मामला दर्ज किया गया। इस अपराध की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक नेतराम मस्के के मार्गदर्शन में पुलिस उपनिरीक्षक अनिल धुमसे, कांस्टेबल घोड़ासरे, संदीप सोनावणे और हेमराज पाटिल ने तुरंत आरोपी के निवास स्थान पर जाल बिछाया और उसे गिरफ्तार कर लिया।

टिटवाला, बल्यानी में अवैध चाल की गई जमींदोज

कल्याण. टिटवाला ए वार्ड के सहायक आयुक्त प्रमोद पाटिल ने एक तोड़फोड़ दल की मदद से रविवार को छुट्टी का दिन होने के बावजूद टिटवाला के बल्यानी इलाके में एक निजी प्रतिष्ठान की ऊंची सुरक्षात्मक दीवार के सहारे बनाई गई एक अवैध चाल को ध्वस्त कर दिया। चूंकि शनिवार और रविवार को महानगर पालिका की छुट्टी होती है, इसलिए इन छुट्टियों के दौरान दिन-रात ये अवैध झोपड़ियां बनाई जाती हैं। इन अवैध निर्माणों की जानकारी मिलते ही वार्ड ए की तोड़फोड़ टीम द्वारा इन निर्माणों को तुरंत ध्वस्त कर दिया गया।

पिछले आठ महीनों में वार्ड ए

के सहायक आयुक्त प्रमोद पाटिल ने टिटवाला मांडा क्षेत्र में एक भी अवैध निर्माण नहीं होने दिया है। पिछले आठ महीनों में वार्ड ए की विध्वंस टीम द्वारा सभी पुरानी खड़ी संरचनाओं को ध्वस्त कर दिया गया। इसलिए भू-माफिया इस चिंता में कि मानसून के दौरान महानगर पालिका उन पर ध्यान नहीं देगी, छुट्टी के दिनों में शनिवार और रविवार को दिन-रात काम करके अवैध झोपड़ियाँ बनाने का दुस्साहस कर रहे हैं।

भूमाफिया ने टिटवाला बालियानी इलाके में ऊंची सुरक्षा दीवार वाले क्षेत्र में अवैध चॉल का निर्माण शुक्रवार शाम को शुरू किया था और शनिवार रात तक इसे पूरा कर लिया। जिस क्षेत्र में चॉल बनाई गई थी, वहां तक पहुंचने के लिए कोई सड़क नहीं थी। रविवार की सुबह जैसे ही सहायक आयुक्त पाटिल को इन अवैध चाल के बारे में जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत इन अवैध चाल को ध्वस्त करने का निर्णय लिया। इन स्थलों तक पहुंचने के लिए जेसीबी और वाहनों की कोई सुविधा नहीं थी। वाहनों को मुख्य सड़क से दूर पार्क कर तथा उनकी कड़ी सुरक्षा करते हुए टीम पैदल ही अवैध चालों तक पहुंची। भारी बारिश के दौरान बालियान क्षेत्र में बनी अवैध झोपड़ियों को ध्वस्त कर दिया गया।

टिटवाला ए वार्ड की सीमा के भीतर कोई भी नया अवैध निर्माण नहीं होने दिया जाएगा। किसी भी निर्माण मालिक को यह भ्रम नहीं रहना चाहिए कि मानसून के दौरान कोई कार्रवाई नहीं की जाती। हालांकि भारी बारिश जारी है, फिर भी अवैध निर्माण ध्वस्त किए जा रहे हैं। निर्माण श्रमिकों को पता होना चाहिए कि नगर पालिका का बीट इंस्पेक्टर प्रतिदिन वार्ड का दौरा करता है।

– प्रमोद पाटिल,
सहायक आयुक्त
ए वार्ड, टिटवाला.

स्व. राजाराम संस्था द्वारा विद्यार्थियों का सत्कार

■ स्व. शिवानंद की जयंती में कार्यक्रम का आयोजन

⏭ उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के उत्तर भारतीय बहुल इलाके बुवापाड़ा में स्व. राजाराम सामाजिक संस्था द्वारा स्व. शिवानंद सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में उत्तीर्ण 10वीं व 12वीं के विद्यार्थियों का शैक्षणिक सम्मान किया गया. इस कार्यक्रम का आयोजन संस्था अध्यक्ष सुरेश उर्फ मनोज सिंह ने रविवार की शाम में बुवापाड़ा में आयोजित किया. मुख्य अतिथि सीएचएम कॉलेज की प्राचार्या मंजू लालवानी पाठक थी. स्थानीय पूर्व नगरसेविका श्रुति सिंह की

अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ.

मनोज सिंह ने हमें बताया कि गत कई वर्षों से इस कार्यक्रम का आयोजन होता है. इस वर्ष 170 विद्यार्थियों का सम्मान व सत्कार किया गया. इस अवसर पर मंजू लालवानी ने कार्यक्रम की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को सम्मानित किए जाने से उनके हौसले बुलंद होते हैं. उन्होंने दिल की गहराइयों से विद्यार्थियों को बधाई देते हुए शुभेच्छा भी दी. मनोज सिंह ने उपस्थितों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परिसर के एक बच्चे ने पीएचडी किया है. उसका भी सत्कार किया गया है. इस समारोह में कमलाकांत राय, ओम प्रकाश तिवारी, रिंकू गुप्ता, रमेश गुप्ता और संघठन बॉयज की पूरी टीम उपस्थित थी.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

भारतीय टीम के हौसले की जीत

यह एक ऐसा क्रिकेट मैच था, जिसमें कीर्तिमानों की झड़ी लग गई। विदेशी सरजमीं पर भारतीय टीम की जीत सचमुच ऐतिहासिक है, क्योंकि इससे पहले भारत ने यहां कभी कोई टेस्ट मैच नहीं जीता था। मगर भारत के नए और युवा खिलाड़ियों की टीम की असीम ऊर्जा के आगे इंग्लैंड बुरी तरह लड़खड़ा गया। उत्साह से लबालब खिलाड़ियों ने शानदार बल्लेबाजी कर जिस तरह एक तरह से बर्मिंघम का तिलिस्म तोड़ा है, उसे मेजबान देश हमेशा याद रखेगा।

यह कप्तान शुभमन गिल और उनकी टीम के कौशल का ही परिणाम था कि भारत ने इंग्लैंड को 336 रनों से हरा कर एजबेस्टन में जीत का झंडा लहरा दिया। इस दौरान हर भारतीय खिलाड़ी का प्रदर्शन देखने लायक था। शुभमन ने जहां एक पारी में 269 तो दूसरी पारी में 161 रन बनाए। उनका यह प्रदर्शन इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि वे विदेश में छब्बीस वर्ष से भी कम उम्र में टेस्ट मैच जीतने वाली टीम के सबसे युवा भारतीय कप्तान बन गए हैं। इससे पहले सुनील गावस्कर ने सबसे कम उम्र में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत दर्ज की थी। शुभमन दसवें ऐसे बल्लेबाज भी बन गए हैं, जिन्होंने एक ही टेस्ट मैच में दोहरा शतक जड़ा है।

एक कीर्तिमान यह भी बना कि एजबेस्टन में भारत की पहली बार जीत हुई। इससे पहले यहां नौ मुकाबलों में उसे आठ में हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा, यहां जीत हासिल करने वाली यह पहली एशियाई टीम भी बन गई है। रनों के मामले में भी विदेशी धरती पर भारत ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलते हुए भारत ने 318 रन बना कर जीत को अपने खाते में डाला था।

दूसरी ओर गेंदबाज आकाश दीप ने दस विकेट झटक कर भारतीय क्रिकेट की तस्वीर को और भी चमकदार और सुनहरा बना दिया है। दरअसल, बर्मिंघम में शानदार विजय से साबित हो गया कि हमारे पास अब एक समर्थ टीम है। आमतौर पर विदेशी धरती पर पिच की प्रकृति के मुताबिक ही खिलाड़ियों के बल्ले और गेंद का रुख, फिर उसी से जीत-हार की दिशा भी तय होती है। मगर एजबेस्टन में भारतीय टीम ने दिखाया कि दमखम के साथ-साथ पिच से तालमेल बिठा कर कैसे अपने पांव टिकाए जाते हैं और दांव जीता जाता है।

बौद्ध नेता दलाई लामा से घबराया चीन

आजकल दलाई लामा अंतरराष्ट्रीय चर्चा के केंद्र में हैं। छह जुलाई को जन्मतिथि से तीन दिन पहले धर्मशाला में अपनी दीर्घायु के लिए आयोजित प्रार्थना सभा में दलाई लामा ने घोषणा की कि दलाई लामा के पुनर्जन्म की तिब्बती परंपरा उनके बाद भी कायम रहेगी और उनके नए अवतारी बालक को खोजने का एकमात्र अधिकार और जिम्मेदारी तिब्बती धर्म संस्था 'गंदेन-फोड्रांग' के पास रहेगी।

उन्होंने चीनी दावों को चुनौती देते हुए कहा कि किसी गैर तिब्बती और बाहरी शक्ति को इस प्रक्रिया में हस्तक्षेप का कोई अधिकार नहीं है। दलाई लामा के इस बयान से बौखलाए चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि इस खोज और नियुक्ति का अधिकार दलाई लामा का नहीं, बल्कि केवल चीन सरकार का है और अगले दलाई लामा की खोज एक स्वर्ण कलश में डाले गए नामों में से लाटरी के आधार पर होगी।

इससे दलाई लामा, उनके पुनर्जन्म की परंपरा और तिब्बत पर दुनिया का ध्यान फिर से केंद्रित हो गया। विश्व बिरादरी के मन में यह उत्सुकता है कि आखिर एक निहत्थे, बूढ़े और शरणार्थी धर्मगुरु में ऐसा क्या है कि इतनी बड़ी सैन्य, राजनीतिक और आर्थिक शक्ति नए अवतारी बच्चे पर कब्जा जमाने के लिए क्यों पगलाई हुई है? यहां केवल दो मूल बातों को समझना होगा।

एक तो यह कि तिब्बत की धार्मिक-सामाजिक-राजनीतिक व्यवस्था में दलाई लामा को सर्वोच्च धार्मिक गुरु और शासक का दर्जा प्राप्त है। तिब्बत में दलाई लामा की

मृत्यु के बाद अगले शासक और धर्मगुरु की जिम्मेदारी किसी चुनाव या पारिवारिक विरासत के आधार पर नहीं तय होती। उनके नए अवतार को इस पद पर बिठाया जाता है।

वर्तमान दलाई लामा इस परंपरा में 14वें हैं। माना जाता है कि दलाई लामा और दूसरे सिद्ध लामाओं में अपने अगले जन्म के बारे में फैसला करने और उससे जुड़े पूर्वानुमानों की शक्ति होती है। हर बड़ा लामा अपने अगले अवतार के बारे में विस्तृत जानकारी छोड़ जाता है। बाद में इस जानकारी और कुछ अन्य अनुष्ठानों की मदद से अन्य लामा उस काल में पैदा हुए सैकड़ों बच्चों में से सही अवतार को खोज लेते हैं।

तिब्बत और चीन के पुराने ऐतिहासिक संबंधों में दसवें दलाई लामा की खोज के समय चीन के मंचू राजा ने तिब्बत में इस विषय पर खड़े विवाद को एक स्वर्ण कलश में पर्चियां डाल कर लाटरी के माध्यम से तय किया था। बाद में चीन पर 1912 में विदेशी मंचू शासन की समाप्ति होने पर वहां चीनी शासन स्थापित हुआ, जिसे 1949 की हिंसक कम्युनिस्ट क्रांति में माओ ने पलट दिया। सत्ता में आने के तुरंत बाद माओ की सेना ने उसी साल ईस्ट तुर्किस्तान (शिनजियांग) और 1951 में तिब्बत पर कब्जा करके चीन को विशाल विस्तार दे दिया।

वर्तमान दलाई लामा को 1959 में तब भागकर भारत में शरण लेनी पड़ी, जब चीनी कब्जे के खिलाफ तिब्बती जनता के जन उभार को चीनी कम्युनिस्ट शासन ने बेरहमी से कुचल डाला। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों के अनुसार इस अभियान में चीनी सेना ने एक पखवाड़े में ही 80 हजार से ज्यादा तिब्बती नागरिकों की हत्या कर डाली थी। 1959 के बाद से चीनी कम्युनिस्ट पार्टी, चीनी सेना और चीन सरकार तिब्बती जनता को अपने वश में करने और दलाई लामा के प्रभाव को खत्म करने के लिए वहां हर तरह के हथकंडे अपना चुकी है।

1987 और 1989 के तिब्बती जनांदोलन में चीनी शासकों को यह देखकर बहुत सदमा लगा कि दो पीढ़ियों के बाद भी तिब्बती युवाओं में तिब्बती धर्म, दलाई लामा और तिब्बती आजादी की ललक बनी हुई है। तब से चीनी नेता तिब्बती धर्म पर भीतर से कब्जा करने की नीति पर चल रहे हैं। इस नीति के तहत सभी अवतारी लामाओं की खोज और उनको गद्दी पर बिठाने का पूरा नियंत्रण चीनी कम्यनिस्ट पार्टी के नियंत्रण वाली बौद्ध कमेटियों के हाथ में है।

2008 में बीजिंग ओलिंपिक के समय तिब्बती जनता के विद्रोह में दिखी दलाई लामा की लोकप्रियता के बाद तो चीन सरकार के इस अभियान ने बहुत गति पकड़ ली। 2012 में शी चिनफिंग द्वारा सत्ता पर काबिज होने के बाद तो इस अभियान ने तिब्बत में सांस्कृतिक-संहार का रूप ले लिया। दलाई लामा से जुड़े लोगों और संस्थाओं से फोन या इंटरनेट के जरिये संपर्क बनाने और यहां तक कि घर या अपने मोबाइल में दलाई लामा का फोटो रखने को भी 'राष्ट्रद्रोह' मानते हुए कम से कम सात साल की जेल सजा का प्रविधान है।

हमारी आत्मा का बाहरी रूप ध्यान है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

चीन और पाकिस्तान को सुनाई खरी-खरी

ब्राजील में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में इस समूह के महत्त्व समेत कई अहम मसलों पर चर्चा की गई, जिनमें से एक प्रमुख मुद्दा आतंकवाद का था। इस मौके पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अनुपस्थित रहे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी सम्मेलन में आभासी माध्यम से ही शामिल हुए। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सम्मेलन में मौजूदगी को एक महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश दिया और कहा कि आतंक के पीड़ितों और समर्थकों को एक ही तराजू पर नहीं तौला जा सकता। आतंकियों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने में किसी भी देश को हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए।

ब्रिक्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रधानमंत्री की इस टिप्पणी को न केवल पाकिस्तान, बल्कि चीन के लिए भी एक नसीहत के रूप देखा जा रहा है। पाकिस्तान जहां आतंकवाद को खाद-पानी देता है, वहीं चीन ने हाल के वर्षों में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कई पाकिस्तानी आतंकियों को सूचीबद्ध करने के प्रयासों को अवरुद्ध किया है। इससे इन दोनों देशों की कथनी और करनी में अंतर साफ नजर आता है। पाकिस्तान दुनिया को यह दिखाने का प्रयास करता है कि वह खुद आतंकवाद

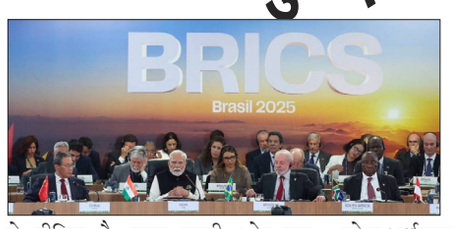

से पीड़ित है, मगर दूसरी ओर वह आतंकियों को प्रशिक्षित कर उन्हें भारत के खिलाफ हथियार की तरह इस्तेमाल करता है।

ब्रिक्स हाल के वर्षों में एक प्रभावशाली समूह के रूप में उभरा है। इसमें भारत, चीन व रूस समेत दुनिया की ग्यारह प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले देश शामिल हैं। ब्रिक्स देश एक 'बहुध्रुवीय विश्व' के लिए जोर दे रहे हैं, जहां शक्ति अधिक बंटी हुई हो। ऐसे में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का ब्रिक्स सम्मेलन से अनुपस्थित रहना चौंकाने वाला है। जिनपिंग के सत्ता संभालने के बाद यह पहली बार है कि वे इस सम्मेलन से दूर रहे। वह भी तब, जब वे ब्रिक्स समूह को अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी गुट के खिलाफ एक आर्थिक विकल्प के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहे हैं।

भू-राजनीतिक मामलों के लिहाज से देखें तो यह इस बात का संकेत हो सकता है कि ब्रिक्स के हालिया विस्तार ने चीन के लिए इसके वैचारिक मूल्य को कम कर दिया है। इसका एक कारण यह भी माना जा रहा है कि चीन, अमेरिका के साथ व्यापार संघर्ष के कारण घरेलू आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है और जिनपिंग इन दिनों घरेलू अर्थव्यवस्था को दिशा देने में उलझे हुए हैं। बहरहाल, ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद के अलावा, मानवीय मूल्यों पर आधारित कृत्रिम मेधा, अमेरिकी शुल्क, मानवता के विकास के लिए शांतिपूर्ण व सुरक्षित वातावरण के मसले पर भी चर्चा हुई। इसमें दोराय नहीं कि ब्रिक्स देशों को अपनी साझा चुनौतियों का सामना करने के लिए एकजुट होकर सामूहिक प्रयास करने होंगे।

ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया से लेकर यूरोप तक आज दुनिया विवादों और संघर्षों से जूझ रही है, ब्रिक्स जैसे समूहों की प्रासंगिकता और भी अहम हो जाती है। मगर, वैश्विक मंच पर गंभीरता से लिए जाने के लिए ब्रिक्स को पहले अपने आंतरिक ढांचे और प्रणालियों को सुदृढ़ करना होगा। कथनी और करनी के बीच अंतर खत्म करना होगा। साथ ही ब्रिक्स देशों को एकजुट होकर उन प्रयासों का पुरजोर समर्थन करना होगा, जो दुनिया को आतंकवाद, विभाजन व संघर्ष से दूर और संवाद, सहयोग व समन्वय की ओर ले जाए।

JCB का फुल फॉर्म क्या है, इसका रंग पीला ही क्यों होता?

जरा हट के

हर कोई जेसीबी के बारे में जानता होगा. हम सभी ने अपने जीवन में कम से कम एक बार जेसीबी का उपयोग होते देखा होगा. घर बनाने में, मिट्टी उठाने, भारी सामान ऊपर मंज़िलों तक पहुंचाने में या किसी इमारत को गिराने जैसे कई कार्यों में जेसीबी का उपयोग किया जाता है.

अगर आप ध्यान दें, तो हर जेसीबी गाड़ी पीले रंग की होती है. जेसीबी के साथ-साथ बुलडोजर भी पीले रंग के होते हैं. बुलडोजर का इस्तेमाल सड़कों के निर्माण और इमारतों को गिराने में किया जाता है. असल में, पहले जेसीबी और बुलडोजर का रंग लाल और सफेद हुआ करता था लेकिन कुछ खास कारणों से बाद में इन्हें पीला कर दिया गया.

इसके बाद, जब इन मशीनों की मांग बहुत अधिक बढ़ गई, तो इन्हें हमेशा के लिए पीले रंग में ही बनाया जाने लगा लेकिन यह केवल इससे जुड़ा मामला नहीं था, इसके पीछे सुरक्षा कारण भी

थे. असल में, जब लाल और सफेद रंग की जेसीबी निर्माण स्थल पर काम करती थी, तो वह दूर से दिखाई नहीं देती थी. सफेद और लाल रंग की मशीनें रात में तो बिल्कुल भी स्पष्ट नहीं दिखती थीं.

तब कंपनियों ने जेसीबी मशीनों का रंग पीला कर दिया, ताकि वे दूर से भी साफ दिखाई दें. पीले रंग के कारण जेसीबी रात में भी आसानी से देखी जा सकती है. पर सवाल ये उठता है कि आखिर जेसीबी का पूरा नाम क्या है?

जेसीबी, उस मशीन का नाम नहीं है, बल्कि उस कंपनी का नाम है जो इस मशीन को बनाती है. जेसीबी का मतलब है Joseph Cyril Bamford Excavators Ltd. इस कंपनी की स्थापना जोसेफ सिरिल बेमफोर्ड ने 1945 में की थी. दरअसल, अब यह कंपनी का नाम इस मशीन का पर्याय बन चुका है.

हम जिसे जेसीबी मशीन कहते हैं, उसका असली नाम है Backhoe Loader (बैकहो लोडर) है. भारत, ब्रिटेन और आयरलैंड में 'जेसीबी' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर हर प्रकार की खुदाई करने वाली मशीन के लिए किया जाता है. अब तो 'JCB' शब्द ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी में भी शामिल हो गया है, हालांकि यह अभी भी एक ट्रेडमार्क के रूप में पंजीकृत है.

अजवाइन पूड़ी

अगर आपको सफर पर जाना है और आप कुछ घर से बनाकर ले जाने के लिए सोच रहीं हैं तो आप अजवाइन की पूड़ियां बना सकती हैं। इसे बनाना बेहद आसान है।

सामग्री :

- गेहूं का आटा दो कप
- अजवाइन एक छोटा चम्मच
- नमक स्वादानुसार
- तेल एक टेबलस्पून (मोयन के लिए)
- पानी आटा गूंथने के लिए
- तेल पूड़ियों को तलने के लिए

विधि :

सबसे पहले एक बड़े बर्तन में आटे को छान लें। इब उसमें अजवाइन, नमक और थोड़ा सा तेल डालें। अब थोड़ा-थोड़ा करके पानी डालें। थोड़ा सख्त आटा गूंथ लें। अब गूंथे आटे को ढककर 15 से 20 मिनट के लिए रख दें। इसके बाद आटे से छोटे-छोटे बराबर हिस्से तोड़ लें। इन हिस्सों की लोइयां बना लें।

हर लोई को बेलन से गोल और थोड़ी मोटी पूड़ियां बेल लें। अब एक कड़ाही में तेल गरम करें। एक-एक करके पूड़ियां गरम तेल में डालें और दोनों तरफ से सुनहरी होने तक तल लें। अजवाइन पूरियां गरमा-गरम आलू की सब्जी या आचार के साथ सर्व कर सकते हैं। आप इसे सफर के लिए भी ले जा सकते हैं।

वेट लॉस करना है, तो गिनना शुरू कर दें अपनी कैलोरी

■ कितना होना चाहिए आपका डेली काउंट

आजकल वजन घटाने और हेल्दी डाइट के लिए कैलोरी काउंटिंग का चलन बढ़ गया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कैलोरी होती क्या है? कैलोरी काउंट करना क्यों जरूरी है और वजन घटाने के लिए एक दिन में कितनी कैलोरी लेनी चाहिए? अगर नहीं, तो आपको ये आर्टिकल जरूर पढ़ना चाहिए।

दरअसल, कैलोरी काउंटिंग सिर्फ वेट लॉस के लिए ही जरूरी नहीं है, बल्कि यह हेल्दी रहने में भी मदद करता है। आइए जानें आपका डेली कैलोरी काउंट कितना होना चाहिए.

■ कैलोरी क्या होती है?

कैलोरी एनर्जी की एक यूनिट है, जो हमें खाने-पीने की चीजों से मिलती है। जब हम खाना खाते हैं, तो शरीर उसे पचाकर एनर्जी में बदलता है, जिससे हमारी बॉडी फंक्शन कर पाती है। लेकिन अगर हम जरूरत से ज्यादा कैलोरी लेते हैं, तो शरीर उसे फैट के रूप में जमा कर लेता है, जिससे वजन बढ़ता है। अब आप अंदाजा लगा सकते हैं कि वेट लॉस के लिए क्यों कैलोरी काउंट करना जरूरी है।

स्वस्थ जीवन जीने के लिए क्या है बॉडी क्लॉक का महत्व

■ कैलोरी काउंट करना क्यों जरूरी है?

- **वजन कंट्रोल के लिए-** अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो आपका कैलोरी इनटेक, खर्च की जाने वाली कैलोरी से कम होना चाहिए।
- **हेल्दी ईटिंग हैबिट्स डेवलप करने के लिए-** कैलोरी काउंटिंग से आपको पता चलता है कि आप क्या खा रहे हैं और कितना खा रहे हैं। हालांकि, इसके साथ पोर्शन साइज और सही मील चुनना भी जरूरी है।
- **अनहेल्दी फूड्स से बचाव-** जब आप कैलोरी ट्रैक करते हैं, तो आप जंक फूड और हाई-कैलोरी स्नैक्स से परहेज करने में मदद मिलती है।

■ एक दिन में कितनी कैलोरी लेनी चाहिए?

पुरुषों और महिलाओं की फिजिकल जरूरतें अलग होती हैं। इसलिए उनकी कैलोरी की जरूरत भी अलग-अलग होती है।

- पुरुषों के लिए- 2500 kcal
- महिलाओं के लिए- 2000 kcal

वजन घटाने के लिए कैलोरी इनटेक कितना होना चाहिए?

अगर आप वजन कम करना चाहते हैं, तो आपको अपनी रोजाना की कैलोरी में से लगभग 500-600 kcal कम करनी चाहिए। इस हिसाब से पुरुषों को 1900 kcal प्रतिदिन और महिलाएं को 1400 kcal प्रतिदिन लेनी चाहिए।

कैलोरी कैसे काउंट करें?

- **फूड लेबल चेक करें-** पैकेट में आने वाले फूड आइटम्स पर कैलोरी की मात्रा लिखी होती है।
- **पोर्शन साइज का ध्यान रखें-** कई बार हम जितना सोचकर खाते हैं, उससे ज्यादा खा लेते हैं। इसलिए खाने का साइज तय करें।
- **फूड डायरी बनाएं-** अपने दिनभर के खाने-पीने की चीजों को नोट करें, ताकि आपको पता चले कि आप कितनी कैलोरी ले रहे हैं।
- **हेल्दी फूड्स चुनें-** फल, सब्जियां, साबुत अनाज और प्रोटीन से भरपूर फूड्स खाएं। इनमें पोषक तत्व ज्यादा और कैलोरी कम होती है।

इन छोटी-छोटी बातों की मदद से आप अपना रोज का कैलोरी – इनटेक कंट्रोल कर सकते हैं, जो न सिर्फ वजन कम करने में मददगार है, बल्कि हेल्दी रहने के लिए भी काफी जरूरी है।

आज का राशिफल

मेष : मान-सम्मान मिलेगा। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति से परिचय बढ़ेगा। मेहनत का फल मिलेगा। सामाजिक कार्य करने में रुचि रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अज्ञात भय सताएगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। किसी मनोरंजक यात्रा की योजना बनेगी। बुरे लोगों से दूर रहें।

वृषभ : घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। बुद्धि का प्रयोग करें। लाभ बढ़ेगा। दूर से सुखद सूचना मिल सकती है। मित्रों के साथ अच्छा समय बीतेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

मिथुन : व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शुभ समय। भाइयों का सहयोग प्राप्त होगा। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति पर व्यय होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। नए मित्र बनेंगे। नया उपक्रम प्रारंभ करने की योजना बन सकती है।

कर्क : बुद्धि का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। आय बनी रहेगी। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है। विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं। थकान महसूस होगी। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय भावना में बहकर न करें।

सिंह : रुका हुआ पैसा मिलने का योग है। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रशंसा प्राप्त होगी। समय अनुकूल है। मित्रों के सहयोग से कार्य पूर्ण होंगे। नया कार्य प्रारंभ करने की योजना बनेगी। परिवार तथा मित्रों के साथ कोई मनोरंजक यात्रा का आयोजन हो सकता है। आलस्य त्यागकर प्रयास करें।

कन्या : योजना फलीभूत होगी। व्यापार में मनोनुकूल लाभ होगा। उत्साह व प्रसन्नता रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभ समय। कारोबार में वृद्धि पर विचार हो सकता है। नौकरी में अधिकारीगण प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। परिवर्तन संभव है।

तुला : किसी प्रभावशाली व्यक्ति का मार्गदर्शन सहायता प्राप्त होगी। धन प्राप्ति में बाधाएं दूर होंगी। किसी धार्मिक स्थल की यात्रा की आयोजना हो सकती है। सत्संग का लाभ मिलेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय हो सकता है। घर-बाहर सुख-शांति रहेगी।

वृश्चिक : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यापार ठीक चलेगा। लोगों से अधिक अपेक्षा न करें। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। आय में कमी हो सकती है। चोट व दुर्घटना से हानि संभव है। लापरवाही न करें। किसी व्यक्ति से व्यर्थ विवाद हो सकता है। मानसिक क्लेश होगा।

धनु : प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। बाहर जाने की योजना बनेगी। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग कार्य में आसानी देगा। नौकरी में चैन रहेगा। जल्दबाजी से काम बिगड़ेंगे तथा समस्या बढ़ सकती है। विरोध होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-बाहर सुख-शांति बने रहेंगे।

मकर : धन प्राप्ति सुगम होगी। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। भूमि, भवन, दुकान, शोरूम व फैक्टरी इत्यादि की खरीद-फरोख्त हो सकती है। बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। कुसंगति से बचें। जोखिम के कार्य टालें।

कुंभ : कोई मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बन सकता है। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। परिवार में प्रसन्नता रहेगी। जल्दबाजी से हानि संभव है। शरीर कष्ट से बचें।

मीन : बनते कामों में देरी होगी। दूसरे से अधिक अपेक्षा करेंगे। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। आय में निश्चितता रहेगी। जल्दबाजी से काम में बाधा उत्पन्न होगी। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी सूचना मिल सकती है, धैर्य रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

लंबे समय तक खाएंगे ये दवाएं, तो बन जाएंगे दिमागी मरीज !

■ ऐसे लोगों को खतरा ज्यादा, नई स्टडी में हुआ खुलासा

आजकल लोगों की जिंदगी काफी भागदौड़ भरी हो गई है, जिसके कारण स्ट्रेस और एंजायटी की समस्या बढ़ रही है. कम उम्र के लोग भी एंजायटी और डिप्रेशन में चले जाते हैं. कई लोगों को स्ट्रेस के चक्कर में नींद भी नहीं आती है और रातभर करवटें बदलते रहते हैं. इन परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए लोग एंटी एंजायटी, एंटी डिप्रेशन और स्लीप मेडिसिन्स का सहारा लेते हैं. अगर आप भी लंबे समय से इनमें से कोई दवा ले रहे हैं, तो सावधान होने की जरूरत है.

एक हालिया स्टडी में यह पाया गया है कि जो लोग एंजायटी, डिप्रेशन और नींद की दवाएं लेते हैं, उन्हें ऐमायोट्रॉफिक लैटरल स्क्लेरोसिस नामक गंभीर बीमारी होने का खतरा ज्यादा होता है. ऐमायोट्रॉफिक लैटरल स्क्लेरोसिस (ALS) एक जानलेवा न्यूरोलॉजिकल बीमारी है, जिसमें शरीर की मांसपेशियां धीरे-धीरे काम करना बंद कर देती हैं. इसकी वजह से मरीज को हाथ-पैर हिलाने, चलने, बोलने, निगलने और सांस लेने तक में दिक्कत होने लगती है. यह बीमारी धीरे-धीरे बढ़ती है और इसका सटीक इलाज अब तक नहीं मिला है. JAMA Neurology में प्रकाशित इस रिसर्च में सामने आया है कि चिंता, डिप्रेशन और नींद से जुड़ी कॉमन दवाएं लेने वाले लोगों में ALS का खतरा बढ़ सकता है. इन दवाओं और ALS के बीच एक संबंध हो सकता है. हालांकि इसका मतलब ये नहीं है कि ये दवाएं ही बीमारी की सीधी वजह हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक नई रिसर्च में शोधकर्ताओं ने पाया कि जो लोग इन दवाओं का लंबे समय तक इस्तेमाल करते हैं, उन्हें भविष्य में ALS होने का खतरा ज्यादा होता है. अगर किसी को पहले से यह न्यूरोलॉजिकल बीमारी होती है, तो एंजायटी, डिप्रेशन और नींद की दवाएं लेने से बीमारी जल्दी बढ़ती है. इससे लोगों की जिंदगी छोटी हो जाती है. वैज्ञानिकों का मानना है कि इन दवाओं और ALS के बीच का संबंध शायद इसलिए दिखता है, क्योंकि ALS के शुरुआती लक्षणों में ही एंजायटी, नींद की परेशानी और डिप्रेशन शामिल होते हैं. अधिकतर मामलों में ALS नामक न्यूरोलॉजिकल बीमारी का पता देर से चलता है. हेल्थ एक्सपर्ट्स का साफ कहना है कि कोई भी मरीज अपनी दवा खुद से बंद न करे. अगर किसी को एंजायटी, डिप्रेशन या नींद से जुड़ी समस्या हो, तो पहले डॉक्टर से बात करें.

इन उपायों से नेल पॉलिश का दोबारा करें यूज

अगर आप भी अपने नेल पॉलिश को सूखा समझकर बाहर फेंक देते हैं तो यह बिल्कुल गलत है. ऐसे में आप इन टिप्स को आजमा कर आप अपने सूखी नेल पॉलिश या गाढी हो चुकी नेल पेंट को आप आसानी से गीला कर दोबारा इस्तेमाल कर सकती हैं और यह उतना ही कारगर होगा जितना नया नेल पॉलिश काम करता है.

वहीं, नेल पेंट ना सूखे और सुखने से बचाने के लिए पूर्णिया की अनुभवी महिला गुड़िया और स्वीटी ने बताया कि अगर आपकी भी नेल पॉलिश सूख गई है तो आप सबसे पहले एक बर्तन में गर्म पानी कर लें और गर्म पानी जब गुनगुना हो जाएए तो उसमें सूखी हुई नेल पॉलिश के बोतल को डाल दें. कम से कम 15 मिनट के लिए रखें और इसके बाद निकाल कर इसे हिला दें. फिर आप इस नेल पॉलिश के दुबारा इस्तेमाल कर सकते हैं.

साथ ही साथ अगर आपके घर पर भी नेल पॉलिश है और यह लंबे दोनों से रख रखा सूख गया है तो आप फिलहाल इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं तो ऐसे में आप इस नेल पॉलिश को दोबारा इस्तेमाल करने के लिए इस नेल पॉलिश के बोतल में दो से तीन बूंद थिनर डाल दें और फिर अच्छी तरह उसे 2 मिनट तक हिलाते रहें. फिर पूरी तरह मिल जाएगा. इसके बाद आप कुछ मिनट में इसका इस्तेमाल कर सकते हैं.

■ धूप में रखने से दूर होता है गाढ़ापन

वहीं, कभी-कभी नेल पॉलिश लोगों की गाढी हो जाती है. जिस कारण नाखून पर सही तरह नहीं लगता है. ऐसे में अगर आपके घर भी नेल पॉलिश गाढी हो जाती है तो आप इस नेल पॉलिश को कुछ देर के लिए खुले धूप में रख दें. फिर आप देखेंगे इसका गाढ़ापन दूर हो जाएगा और इसका आप आसानी से सही इस्तेमाल कर सकती हैं..

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

हिस्ट्रीशीटर के घर मनमाने तरीके से देर रात नहीं जा सकती पुलिस, हाईकोर्ट का निर्देश

प्रयागराज. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पुलिस को एक ऐसे व्यक्ति के घर देर रात तक जाने से रोक दिया है, जिसकी हिस्ट्रीशीट खोली गई है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर एवं न्यायमूर्ति अनिल कुमार दशम की खंडपीठ ने समुंदर पांडेय की आपराधिक रिट याचिका पर दिया है। कोर्ट ने राज्य सरकार, प्रयागराज के पुलिस आयुक्त और संबंधित एसएचओ को नोटिस जारी करते हुए पुलिस को रात में 'असमय' घरों का दौरा करने से रोक दिया। साथ ही इस मामले को 11 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया है। खंडपीठ ने खड़क सिंह बनाम उत्तर प्रदेश राज्य एवं अन्य के प्रसिद्ध मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया। इसमें यह माना गया कि पुलिस हिस्ट्रीशीटर आदि के घरों का मनमाना तरीके से असमय पर दौरा नहीं कर सकती है। याचिका में याची की हिस्ट्रीशीट खोलने को चुनौती दी गई है।

यूपी में घर लौट रहे दूध व्यापारी की गोली मारकर हत्या, ग्रामीणों ने जाम किया हाईवे

बागपत. यूपी के बागपत जिले में एक दूध व्यापारी की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंगलवार सुबह घटना का पता चलने पर आक्रोशित ग्रामीणों ने हत्या के विरोध में हाईवे पर जाम लगा दिया। जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस के अनुसार, घटना शहर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत संतोषपुर गांव के पास बाघू रोड पर सोमवार रात हुई, जहां 28 वर्षीय विपिन उर्फ गोंदू को उस समय निशाना बनाया गया जब वह अपने घर लौट रहा था। हमले में व्यापारी की मौके पर ही मृत्यु हो गई। घटना की आज सुबह जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए।

वाराणसी में डबल मर्डर: घर के अंदर ही बाप-बेटी की हत्या, मौके से आरोपी गिरफ्तार

वाराणसी. वाराणसी में मंगलवार को डबल मर्डर की खबर से सनसनी फैल गई। बुजुर्ग और उनकी बेटी की घर के अंदर ही ईंट, रम्मा और लोहे के ओखल से मारकर मौत के घाट उतार दिया गया। पड़ोसियों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से ही आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि वारदात में बहू भी शामिल थी। घटना अर्दली बाजार के महावीर मंदिर के पास प्रताप नगर कॉलोनी में हुई। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। डबल मर्डर की खबर सुनकर स्थानीय कैंट थाने की पुलिस के साथ ही एसिशनल सीपी, एसीपी, एडीसीपी भी मौके पर पहुंचे।

रेलवे के मुख्य कार्यालय अधीक्षक का शव नाले में मिला, तीन दिन से हो रही थी तलाश

कानपुर. कानपुर में तीन दिन से लापता रेलवे के मुख्य कार्यालय अधीक्षक का शव घर से कुछ दूरी पर नाले में पड़ा मिला है। पांच जुलाई को वह ड्यूटी के लिए निकले थे। इसके बाद से लापता थे। पुलिस उनकी खोजबीन में जुटी थी। मंगलवार सुबह किसी ने नाले में शव देख पुलिस को सूचना दी। फिलहाल यह नहीं पता चला है कि वह नाले में कैसे पहुंच गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी को भी खंगाला जा रहा है। आवास विकास कालोनी हंसपुरम निवासी 58 वर्षीय लक्ष्मी नारायण की बड़ी बेटी दीक्षा गुप्ता ने बताया कि करीब 25 साल पहले पिता को लकवा मार गया था। तब से उनके दाई तरफ का हाथ व पैर काम नहीं करता था। पांच जुलाई की सुबह वह रोज की तरफ टिफिन लेकर गोविंदपुरी स्टेशन पर ड्यूटी के लिए घर से पैदल ही निकले थे। दोपहर करीब 11:30 बजे कार्यालय से कॉल आई कि वह ड्यूटी पर नहीं पहुंचे हैं।

बिहार में सरकारी नौकरी में डोमिसाइल पॉलिसी लागू

- सिर्फ राज्य की महिलाओं को 35% आरक्षण मिलेगा
- पहले दूसरे राज्य की महिलाओं को भी मिलता था

पटना. बिहार सरकार ने महिलाओं के लिए डोमिसाइल पॉलिसी लागू कर दी है। अब सरकारी नौकरियों में महिलाओं को इसका फायदा मिलेगा। बिहार की बाहर की महिलाओं को जनरल कैटेगरी में जोड़ा जाएगा।

पहले दूसरे राज्यों की महिलाओं को भी 35% आरक्षण का लाभ मिलता था। अब सिर्फ बिहार की महिलाओं को फायदा मिलेगा। नीतीश कैबिनेट की बैठक में मंगलवार को ये फैसला लिया गया। इसके साथ ही 43 एजेंडों पर मुहर लगी है।

बिहार में पहली बार बिहार युवा आयोग का गठन होगा। चुनावी साल में बिहार युवा आयोग के गठन का निर्णय नीतीश सरकार ने लिया है। दरअसल, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी ने कहा था कि सरकार बनने पर वह युवा आयोग का गठन करेंगे।

दिव्यांग के लिए सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना

बिहार सरकार ने एक नई योजना शुरू की है, जिसका नाम दिव्यांगजन सिविल सेवा प्रोत्साहन योजना है। इसका लाभ दिव्यांग पुरुष अभ्यर्थी पिछड़ा वर्ग, सामान्य वर्ग या आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (EWS) अभ्यर्थियों को मिलेगा। हालांकि, ये सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें राज्य की किसी दूसरी सिविल सेवा तैयारी योजना से कोई आर्थिक मदद नहीं मिल रही है। ऐसे में BPSC या UPSC की प्रारंभिक परीक्षा पास कर लेते हैं, तो उन्हें मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए 50 हजार रुपए और इंटरव्यू की तैयारी के लिए 1 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। यह योजना दिव्यांगों को सिविल सेवा में सफलता पाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए शुरू की गई है।

अहमदाबाद प्लेन क्रैश

26 दिन बाद आई शुरुआती जांच रिपोर्ट

- AAIB ने सरकार को सौंपी
- फाइनल रिपोर्ट में 3 महीने लगेंगे

नई दिल्ली. एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) ने अहमदाबाद विमान हादसे के 26 दिन बाद प्राइमरी जांच रिपोर्ट मंगलवार को केंद्र सरकार को सौंपी। न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक, प्राइमरी रिपोर्ट शुरुआती जांच में मिले सबूतों और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर तैयार की गई है।

इससे पहले 28 जून को केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बताया था कि विमान हादसे की जांच सभी पहलुओं से की जा रही है, जिसमें साजिश (सैबोटाज) की संभावना को भी खंगाला जा रहा है। वहीं, 3 महीने में विस्तृत जांच रिपोर्ट आ सकती है। 12 जून को अहमदाबाद से लंदन जा रही फ्लाइट AI 171 टेकऑफ के कुछ ही देर बाद एक मेडिकल हॉस्टल की इमारत से टकरा गई थी। इसमें 270 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें 241 यात्री और क्रू मेंबर शामिल थे। सिर्फ एक यात्री इस हादसे में जिंदा बचा है।

ब्रासीलिया में PM मोदी- शिव तांडव स्त्रोत, क्लासिकल डांस से स्वागत

- राष्ट्रपति सिल्वा से ट्रेड और डिफेंस पर बात करेंगे

रियो डी जनेरियो. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रिक्स समिट में शामिल होने के बाद मंगलवार को रियो डी जनेरियो से ब्राजील की राजधानी ब्रासीलिया पहुंचे। यहां पर उनका स्वागत शिव तांडव स्तोत्र और भारतीय शास्त्रीय नृत्य से किया गया। PM मोदी ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के साथ ट्रेड, डिफेंस, एनर्जी, स्पेस, टेक्नोलॉजी, खेती और हेल्थ समेत कई मुद्दों पर द्विपक्षीय चर्चा करेंगे।

भारतीय PM 2 जुलाई से 10 जुलाई तक 5 देशों की यात्रा पर हैं। अब तक वे घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना का दौरा कर चुके हैं। फिलहाल वे ब्राजील दौरे पर हैं और यहां से नामीबिया जाएंगे।

PM मोदी के सम्मान में रंग-बिरंगे परिधानों में सजे कलाकारों ने पारंपरिक सांबा रेगे नृत्य की शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया पर इसकी सराहना भी की। पीएम मोदी ने कहा कि यह प्रस्तुति ब्राजील के समृद्ध विरासत को दर्शाती है।

PM मोदी कल जलवायु सम्मेलन में शामिल हुए

PM मोदी ने इससे पहले सोमवार को ब्रिक्स सम्मेलन में पर्यावरण, जलवायु सम्मेलन (COP-30) और वैश्विक स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि लोगों और धरती का स्वास्थ्य एक-दूसरे से जुड़ा हुआ है।

मोदी ने कहा- कोरोना महामारी ने दिखा दिया कि बीमारी किसी पासपोर्ट या वीजा की मोहताज नहीं होती और इसका समाधान भी सबको मिलकर ही निकालना होता है। इसलिए, हमें अपने ग्रह को स्वस्थ रखने के लिए मिलकर कोशिश करनी होगी।

अवैध धर्मांतरण केस में झांगुर बाबा पर योगी सरकार का तगड़ा एक्शन

- आलीशान कोठी पर चला बुलडोजर

बलरामपुर. यूपी में अवैध धर्मांतरण केस में जलालुद्दीन उर्फ झांगुर बाबा पर योगी सरकार ने तगड़ा ऐक्शन लिया है। बलरामपुर में बनी छांगुर बाबा की आलीशान कोठी पर बुलडोजर चलना शुरू हो गया है। बताया रहा यह कोठी अवैध तरीके से बनाई गई थी। झांगुर बाबा यही से अपने सारे काले कारनामे करता था।

मुख्य आरोपी जलालुद्दीन उर्फ झांगुर की कोतवाली उतरौला अन्तर्गत मधपुर स्थित कोठी पर मंगलवार सुबह साढ़े 10 बजे बुलडोजर चलाने की कार्रवाई की गई। यह कोठी अभिलेखों में नीतू नवीन रोहरा उर्फ नसरीन पत्नी नवीन रोहरा के नाम दर्ज है। प्रशासन का मानना है कि भवन निर्माण में झांगुर का पैसा लगा था। भवन को सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर निर्माण कराने की बात कही जा रही है। अतिक्रमण हटाने सम्बन्धित तीन नोटिस नीतू उर्फ नसरीन को पहले ही जारी की जा चुकी है।

नीतू, उनके पति व बेटी को झांगुर ने इस्लाम धर्म कुबूल करवा दिया था। वे झांगुर के साथ आकर मधपुर में रहने लगे थे, जहां झांगुर ने नीतू उर्फ नसरीन के लिए विशाल कोठी बनाई थी। झांगुर, उनका बेटा महबूब, नीतू उर्फ नसरीन व नवीन को एटीएस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। राजस्व विभाग को झांगुर के सम्पत्ति की जांच का आदेश मिला था। साथ ही मामले में ईडी को जांच के लिए कहा गया है। मंगलवार प्रातः साढ़े 10 बजे को उतरौला एसडीएम राजेन्द्र बहादुर, तहसीलदार सत्यपाल प्रजापति, एएसपी विशाल पाण्डेय, सीओ राघवेन्द्र प्रताप व एसएचओ अवधेश राज सिंह बुलडोजर लेकर मधपुर पहुंचे। घर का सभी सामान सुरक्षित निकलवाकर सूचीबद्ध किया गया। उसके बाद भवन ढहाना शुरू कर दिया गया। एसडीएम राजेन्द्र बहादुर ने बताया कि भवन ढहाने की प्रक्रिया नियमानुसार पूरी की गई है।

'वन नेशन, वन इलेक्शन' के समर्थन में चंद्रचूड़ सहित कई पूर्व CJI

- चुनाव आयोग की 'शक्तियों' पर सवाल

नई दिल्ली. भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीशों ने 'वन नेशन, वन इलेक्शन' की अवधारणा को संवैधानिक रूप से वैध माना है, लेकिन उन्होंने संसद की संयुक्त समिति को सौंपी गई अपनी राय में इस विधेयक के कुछ पहलुओं, विशेष रूप से चुनाव आयोग को दिए गए व्यापक अधिकारों पर चिंता जताई है। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) रह चुके न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ ने संयुक्त संसदीय समिति को सौंपी अपनी राय में विपक्ष की इस आलोचना को खारिज कर दिया है कि लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनाव का एक साथ होना संविधान के मूल ढांचे का उल्लंघन है। उन्होंने कहा कि संविधान में कहीं भी राष्ट्रीय और राज्य चुनावों को अलग-अलग कराने की बात नहीं कही गई है।

निर्वाचन आयोग की शक्तियों पर सवाल

हालांकि, संसदीय समिति को सौंपी गई राय के अनुसार, प्रस्तावित संवैधानिक संशोधन कानून में निर्वाचन आयोग को 'विवेक के प्रयोग के लिए कोई दिशानिर्देश निर्धारित किए बिना' दी गई 'व्यापक शक्तियों' पर सवाल उठाने में वह एक अन्य पूर्व सीजेआई रंजन गोगोई के साथ शामिल हो गए। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ और एक अन्य पूर्व सीजेआई जे एस खेहर 11 जुलाई को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद पी पी चौधरी की अध्यक्षता वाली समिति के समक्ष पेश होने वाले हैं ताकि सदस्य उनसे विधेयक के प्रावधानों पर बातचीत कर सकें और अपने प्रश्नों पर उनके विचार जान सकें।

'25 साल की जेल अभी खत्म नहीं हुई'

- राहत मांगने पहुंचे अबू सलेम से बोला हाईकोर्ट

मुंबई. बंबई उच्च न्यायालय ने सोमवार को गैंगस्टर अबू सलेम को राहत देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया कि प्रथम दृष्टया उसकी राय है कि उसने (सलेम) पुर्तगाल से प्रत्यर्पण की शर्तों के तहत भारत की जेल में अभी तक 25 साल पूरे नहीं किए हैं।

सलेम ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर कर उसे जेल से रिहा करने का अनुरोध किया है। उसने दलील दी है कि अगर अच्छे आचरण के लिए छूट को शामिल किया जाए, तो वह पहले ही 25 साल के कारावास की सजा काट चुका है।

याचिका में कहा गया है कि जब सलेम को पुर्तगाल से प्रत्यर्पित किया गया था, उस समय भारत सरकार ने आश्वासन दिया था कि उसे किसी भी मामले में मौत की सजा नहीं दी जाएगी और उसे 25 साल से अधिक की जेल की सजा भी नहीं दी जाएगी।

न्यायमूर्ति ए एस गडकरी और न्यायमूर्ति राजेश पाटिल की पीठ ने सोमवार को सलेम की याचिका स्वीकार कर ली, लेकिन कोई अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के अनुसार, सलेम की गिरफ्तारी अक्टूबर 2005 में हुई थी और इसलिए प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट है कि 25 साल की अवधि अभी पूरी नहीं हुई है। पीठ ने कहा कि वह इस याचिका पर अंतिम सुनवाई उचित समय पर करेगी।

पुणे में तीसरी मंजिल की ग्रिल से लटकी बच्ची

पुणे. पुणे में चार साल की एक बच्ची बिल्डिंग की तीसरी मंजिल की ग्रिल में फंसकर लटक गई। बच्ची की मां उसे गलती से घर में बंद करके बड़ी बेटी को स्कूल छोड़ने चली गई।

घर में बंद बच्ची खेलते-खेलते खिड़की के पास पहुंच गई और ग्रिल से बाहर लटक गई। उसका सिर ग्रिल में अटक गया। उसी बिल्डिंग में रहने वाले एक फायर फाइटर ने बच्ची को लटकते देखा और तेजी से तीसरी मंजिल पर पहुंचे।

दरवाजा बाहर से बंद होने पर नीचे गए और बच्ची की मां को घटना की जानकारी दी। इसके बाद दोनों ने ऊपर आकर बच्ची को बचाया। घटना मंगलवार सुबह करीब 9 बजे गुजर निंबालकरवाड़ी इलाके की सोनावणे बिल्डिंग की है।

पड़ोसी नहीं चाहते थे बच्चे आकाशदीप के साथ खेलें

- पिता ने दी थी चपरासी या कॉन्स्टेबल बनने की सलाह
- आज करीब 40 करोड़ रुपए नेटवर्थ

इंग्लैंड के बर्मिंघम के एजबेस्टन ग्राउंड में चल रही एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारत के तेज गेंदबाज आकाशदीप ने इतिहास रच दिया। उन्होंने एजबेस्टन टेस्ट में पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर कुल 10 विकेट झटके।

आकाशदीप इंग्लैंड में एक टेस्ट मैच में 10 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। इससे पहले चेतन शर्मा ने 1986 में बर्मिंघम में यह कारनामा किया था। आकाशदीप ने दूसरे टेस्ट मैच में 336 रन से इंग्लैंड को हरा दिया है। इसके साथ ही पांच मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर हो गई है।

608 रन के टारगेट का पीछा कर रही इंग्लैंड की टीम मैच के आखिरी दिन 271 रन पर ऑलआउट हो गई। यह इंग्लैंड की धरती पर रन के लिहाज से भारत की अब तक की सबसे बड़ी जीत है। पिछला रिकॉर्ड 279 रन से जीत का था।

भारत ने 1986 में लीड्स में अंग्रेजों को इस अंतर से हराया था। साथ ही भारत ने बर्मिंघम में 58 साल में पहली जीत हासिल की है। इससे पहले यहां खेले गए 8 टेस्ट में से 7 में भारत को हार मिली थी और 1 मुकाबला ड्रॉ हुआ था।

आकाशदीप ने ये मैच कैंसर से जूझ रही अपनी बहन को डेडिकेट किया है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि, 'ये प्रदर्शन आपके लिए है। जब भी मैं गेंद पकड़ता था, मेरे दिमाग में आपका ख्याल आता था। मैं आपके साथ हूं। मैं आपके चेहरे पर खुशी देखना चाहता हूं। हम सभी आपके साथ हैं।'

पटना में गोपाल खेमका की हत्या बिल्डर ने कराई

- आरोपी अशोक साह गिरफ्तार
- कारोबारी विवाद के चलते सुपारी दी थी
- एक आरोपी एनकाउंटर में ढेर

पटना. बिहार के कारोबारी गोपाल खेमका की हत्या बिल्डर अशोक साह ने कराई थी। दोनों के बीच कारोबार को लेकर विवाद था। हत्या के लिए अशोक साह ने शूटर उमेश को हायर किया था। उमेश ने ही गोपाल खेमका को 4 जुलाई को घर के गेट पर गोली मारी थी। पुलिस ने सोमवार को बिल्डर अशोक साह, शूटर उमेश को गिरफ्तार किया। पुलिस ने शूटर के पास से 3 लाख कैश बरामद किया है। पुलिस ने बताया कि उदयगिरि अपार्टमेंट के फ्लैट संख्या 601 से अशोक साह को गिरफ्तार किया गया। इस फ्लैट में कभी कुख्यात अशोक सम्राट और बृजबिहारी का सहयोगी रत्नेश्वर साह भी रहता था।

शूटर उमेश की निशानदेही पर पुलिस गन सप्लायर विकास से पूछताछ करने पटना सिटी के मालसलामी इलाके में पहुंची थी।

इसी दौरान विकास ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने उसे ढेर कर दिया। एनकाउंटर मंगलवार तड़के 4 बजे हुआ।

घटना की सूचना मिलने के बाद पटना सिटी SDPO-2, SP और SSP मौके पर पहुंचे। घटनास्थल से 1 पिस्टल, गोली और खोखा बरामद किया गया है।

विकास उर्फ राजा के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेज दिया गया है।

उस पर पहले से कई मामले दर्ज थे। कई हत्याओं में उसका नाम सामने आ चुका था। वह शूटर भी था।

सोमवार को शूटर उमेश उर्फ विजय गिरफ्तार

इससे पहले 8 जुलाई (सोमवार) को पुलिस ने शूटर उमेश उर्फ विजय को मालसलामी इलाके से ही गिरफ्तार किया था। उसने बताया कि खेमका के मर्डर की सुपारी दी गई थी। एक लाख रुपए एडवांस मिला था। पुलिस ने गंगा किनारे के इलाके से हथियार भी बरामद कर लिया है। उमेश राय दिल्ली में विजय के नाम से रहता था।

SIT की टीम जब उमेश के घर पहुंची, तब वह बच्चे को लेने स्कूल गया था। इसी बीच पुलिस ने उसे दबोच लिया।

वह घर से कम ही निकल रहा था। उसके पास से पुलिस ने घटना में इस्तेमाल बाइक, इसके बाद घर से पिस्टल, 80 कारतूस, दो मोबाइल और एक लाख कैश बरामद किया गया है।

इसे गिरफ्तार करने के बाद पटना जंक्शन से भी पुलिस ने एक संदिग्ध को हिरासत में लिया। उमेश की निशानदेही पर गोपाल खेमका मर्डर केस में कोतवाली थाना इलाके के उदयगिरी अपार्टमेंट में पुलिस और STF ने रेड की है। यहां से 3 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

अफगानिस्तान को UN में मिला भारत का साथ

न्यूयॉर्क. भारत ने अफगानिस्तान पर संयुक्त राष्ट्र महासभा में लाए गए मसौदा प्रस्ताव पर मतदान में भाग नहीं लिया और कहा कि ''सामान्य तौर-तरीकों के साथ काम करने'' से शायद वे परिणाम नहीं मिल पाएंगे, जिनकी वैश्विक समुदाय अफगान जनता के लिए अपेक्षा करता है। संयुक्त राष्ट्र की 193 सदस्यीय महासभा ने सोमवार को जर्मनी द्वारा पेश 'अफगानिस्तान में स्थिति' पर प्रस्ताव को पारित किया। प्रस्ताव के पक्ष में 116 वोट पड़े, दो ने विरोध किया और 12 देश मतदान से दूर रहे, जिनमें भारत भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत पर्वतनेनी हरीश ने मतदान में भाग न लेने पर कहा कि किसी भी युद्धोत्तर स्थिति से निपटने के लिए एक समेकित नीति में विभिन्न बातें समाहित होनी चाहिए.

बाबा सिद्दीकी के बैंक खातों पर थी नजर

- मोबाइल नंबर हड़पने की साजिश में पूर्व बैंककर्मी अरेस्ट

मुंबई. एनसीपी के दिवंगत नेता और महाराष्ट्र सरकार में पूर्व मंत्री रहे बाबा जियाउद्दीन सिद्दीकी की हत्या के बाद उनके बैंक खातों में सेंध की साजिश का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक पूर्व बैंक कर्मचारी ने कथित तौर पर उनका मोबाइल नंबर हड़पने की कोशिश की ताकि खातों तक पहुंच बनाकर पैसों की हेराफेरी कर सके।

मुंबई पुलिस ने दिल्ली से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार शख्स की पहचान विवेक सभरवाल (48) के रूप में हुई है। आरोपी एमबीए डिग्रीधारी और एक पूर्व बैंककर्मी है। उसे रविवार रात दिल्ली के बुराड़ी इलाके से पकड़ा गया।

क्या थी साजिश?

बाबा सिद्दीकी की बेटी डॉ. अर्शिया सिद्दीकी की शिकायत के मुताबिक, उनके निधन के बाद परिवार ने उनका पुराना मोबाइल नंबर एक्टिव रखने का फैसला किया। इस नंबर की अधिकारिक जिम्मेदारी उनकी पत्नी शाहजीन सिद्दीकी को दी गई थी। लेकिन 25 जून को वोडाफोन आइडिया से एक संदिग्ध ईमेल आया, जिसमें 'अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता' को बदलने का अनुरोध किया गया था। हैरानी की बात यह थी कि यह मेल शाहजीन सिद्दीकी की मेल आईडी से मिलती-जुलती नकली आईडी से भेजा गया था, जिसमें केवल एक अक्षर का अंतर था।

कैसे पकड़ा गया जालसाज

जैसे ही परिवार को शक हुआ, उन्होंने तुरंत बांद्रा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने तकनीकी जांच के आधार पर उस मोबाइल नंबर को ट्रैक किया जिससे मेल भेजा गया था और आरोपी तक पहुंच गई। पूछताछ में सभरवाल ने स्वीकार किया कि वह बाबा सिद्दीकी के मोबाइल नंबर का नया 'अधिकारिक हस्ताक्षरकर्ता' बनना चाहता था, ताकि वह उनके बैंक खातों में लॉगिन कर सके और पैसे निकाल सके।

यमन में भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को दी जाएगी फांसी

- कोर्ट ने मुकर्रर कर दी तारीख

यमन के एक नागरिक तलाल अब्दो मेहदी की हत्या में दोषी करार दी गईं भारतीय नर्स निमिषा प्रिया को 16 जुलाई को फांसी दी जाएगी। यहमन में सरकारी अधिकारियों और तलाल के परिवार के साथ बातचीत में शामिल एक सामाजिक कार्यकर्ता सैमुअल जेरोम बास्करन ने बताया है कि निमिषा की फांसी की तारीख मुकर्रर कर दी गई है।

जेरोम ने कहा कि जेल के अधिकारियों ने उन्हें फांसी की तारीख बताई है। कि निमिषा पर जिस शख्स की हत्या का आरोप है उसके परिवार से अब भी बातचीत चल रही है, हालांकि कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है। यमन के उस परिवार को 10 लाख डॉलर की पेशकश की गई थी। यह रकम चुकाने के लिए स्पॉन्सर्स से मदद ली जा रही है। सूत्रों का यह भी कहना है कि निमिषा की जान बचाने के लिए भारत सरकार भी दखल दे सकती है।

संक्षेप...

तुर्भे ट्रक टर्मिनल में भीषण आग

नवी मुंबई. तुर्भे ट्रक टर्मिनल स्थित एक अवैध गोदाम में रविवार रात शॉर्ट सर्किट के कारण भीषण आग लग गई। इस आग में 8 ट्रक, 1 जेसीबी मशीन और बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामग्री से भरे गोदाम जलकर खाक हो गए। हालांकि किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है, लेकिन करोड़ों रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। चिंता की बात यह है कि आग जिस जगह लगी, वह राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित भाभा एटोमिक रिसर्च सेंटर (BARC) परियोजना के बिल्कुल समीप स्थित है। यदि नवी मुंबई अग्निशमन विभाग ने समय रहते आग पर काबू न पाया होता, तो यह आग BARC तक फैल सकती थी, जिससे एक बड़ा संकट पैदा हो सकता था।

'थप्पड़ कांड' पर ठाणे में बवाल!

- **MNS के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे शिवसेना मंत्री सरनाईक**

ठाणे. महाराष्ट्र के एक मंत्री और शिवसेना नेता ने महाराष्ट्र में भाषा पर चल रही बहस के बीच अपनी सरकार के खिलाफ विपक्षी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने की कोशिश की। MNS कार्यकर्ताओं ने मंत्री प्रताप सरनाईक को घेर लिया और उन्हें ठाणे में धरना स्थल से जाने पर मजबूर कर दिया।

राज ठाकरे के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के कई कार्यकर्ताओं को आज सुबह ठाणे के मीरा रोड पर उस समय हिरासत में ले लिया गया, जब वे 'थप्पड़ कांड' के विरोध में मार्च निकाल रहे थे। इस घटना में MNS कार्यकर्ताओं ने मराठी न बोलने पर एक फूड स्टॉल मालिक को पीट दिया था।

MNS कार्यकर्ताओं के सड़कों पर उतरने और पुलिस के उन्हें पकड़कर पुलिस वैन में डालने के दौरान कई अराजक तस्वीरें सामने आईं। पुलिस ने आज के विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी। हिरासत में लिए जाने के दौरान कई MNS कार्यकर्ताओं ने सवाल उठाया कि 'थप्पड़ कांड' के बाद व्यापारियों उनके खिलाफ प्रदर्शन करने की अनुमति क्यों दी गई और उनके जवाबी प्रदर्शन पर रोक क्यों लगाई जा रही है?

इससे पहले मंगलवार सुबह पुलिस ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के ठाणे-पालघर प्रमुख अविनाश जाधव समेत कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया है। जाधव के नेतृत्व में ये कार्यकर्ता ठाणे के भायंदर में व्यापारियों के विरोध प्रदर्शन के जवाब में एक रैली करने जा रहे थे। पुलिस ने इस रैली की परमिशन नहीं दी थी।

CM बोले- मैं महाराष्ट्र के मूड को जानता हूं

उनमें से कई ने कहा कि जो भी महाराष्ट्र में रहता है, उसे मराठी सीखनी चाहिए और धमकी दी कि जो ऐसा नहीं करेगा उसे 'परिणाम भुगतने होंगे'। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इन आरोपों को खारिज कर दिया कि पुलिस ने रैली के लिए अनुमति नहीं दी।
उन्होंने कहा, 'महाराष्ट्र में हर किसी को विरोध मार्च निकालने का अधिकार है। पुलिस की अनुमति के बाद कोई भी ऐसा कर सकता है। ट्रैफिक से जुड़ी समस्याएं, भगदड़ का खतरा आदि हैं। पुलिस कमिश्नर ने मुझे बताया कि उन्हें (MNS नेताओं को) रूट बदलने के लिए कहा गया था, लेकिन वे अड़े रहे। इसलिए पुलिस ने उन्हें रोक दिया।'
अपने प्रतिद्वंद्वियों पर कटाक्ष करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं महाराष्ट्र के मूड को जानता हूं। इस तरह के प्रयोग यहां काम नहीं आएंगे। एक मराठी का दिल बड़ा होता है। वह छोटा नहीं सोचता।'

ब्रिटिश कालीन खांडीतलाव बना मौत का कुआं!

नवी मुंबई. मंगलवार सुबह करीब 11:30 बजे नवी मुंबई के दिघा इलठणपाडा क्षेत्र में स्थित ब्रिटिश कालीन खांडीतलाव (मोगली डैम) में एक अज्ञात महिला की डूबकर दर्दनाक मौत हो गई। इस तालाब में अब तक सैकड़ों लोगों की जानें जा चुकी हैं, लेकिन प्रशासन की अनदेखी और लापरवाही के कारण आज भी यह स्थान मौत का अड्डा बना हुआ है।

रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले गुट) की ओर से कई बार नवी मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त व संबंधित अधिकारियों को इस तालाब की सुरक्षा के लिए पत्र दिए गए हैं।

फिर भी न तो यहां कोई सुरक्षा रक्षक तैनात हैं, न चेतावनी बोर्ड, न ही कोई बैरिकेडिंग — नतीजाः एक और जान चली गई।

स्थानीय नागरिकों द्वारा नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा गया कि प्रशासन और कितनी जानें जाने के बाद जागेगा? अभी और कितनी जानें लेगा ये तालाब?' लोगो की मांग है कि तालाब के चारों ओर सुरक्षा दीवार या जाल लगाया जाए। चेतावनी बोर्ड और प्रवेश निषेध के संकेत लगाए जाए, प्रशिक्षित सुरक्षा रक्षकों की तैनाती, पुलिस पेट्रोलिंग की व्यवस्था की जाए।

मनसे नेता अविनाश जाधव की गिरफ्तारी के विरोध में

मनसे कार्यकर्ता ने की आत्मदाह की कोशिश

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. मीरा भायंदर में गैर मराठी भाषी व्यापारी की पिटाई के बाद गैर मराठी भाषी व्यापारियों द्वारा किए गए विरोध प्रदर्शन के जवाब में मंगलवार को मीरा भायंदर में उसी स्थान पर मराठी भाषियों द्वारा विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया.पुलिस ने इस विरोध प्रदर्शन पर रोक लगाने की कोशिश किया और मनसे नेता अविनाश जाधव को सुबह करीब 3 बजे हिरासत में ले लिया. जाधव की गिरफ्तारी के विरोध में भिवंडी मनसे विभाग प्रमुख सुशील आवटे ने आत्मदाह की कोशिश की, हालांकि पुलिस ने सतर्कता बरतते हुए आवटे को हिरासत में ले लिया. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के पदाधिकारी और मराठी भाषी बड़ी संख्या में इस मार्च को निकालने के अपने रुख पर अड़े रहे.इस पृष्ठभूमि में, भिवंडी में मनसे विभाग प्रमुख सुशील आवटे ने मनसे नेता अविनाश जाधव की तत्काल रिहाई और मराठी लोगों के खिलाफ अन्याय को समाप्त करने की मांग करते हुए छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर खुद पर केरोसिन डालकर आत्मदाह करने का प्रयास किया. स्थानीय निजामपुरा पुलिस ने सावधानी बरतते हुए सुशील आवटे को हिरासत में लिया.

4 साल की बेटी को बेरहमी से पीटा, दादी ने की पुलिस में शिकायत

दिवा. दिवा से एक महिला का वीडियो वायरल है, जो अपनी साढ़े चार साल की बेटी को बेरहमी से पीटते दिख रही है. महिला का वीडियो उसकी बड़ी बेटी ने बनाया है और शिकायत उसकी सास ने पुलिस स्टेशन में की. पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और महिला को मुंब्रा पुलिस स्टेशन ले आई और उसका बयान दर्ज किया. 28 वर्षीय महिला का नाम यशोदा ब्रह्मया है. साढ़े चार साल की बच्ची की दादी की ओर से दी गई शिकायत के अनुसार मां यशोदा ब्रह्मया के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. बच्ची को महिला एवं बाल कल्याण समिति, उल्हासनगर के पास भेज दिया गया है और मुंब्रा पुलिस स्टेशन के माध्यम से आगे की जांच की जा रही है.

पानी के लिए कलवाकरों ने मनपा के विरुद्ध निकाला मोर्चा

ठाणे. शहर में पानी की कमी होने के बाद कलवा का पानी ठाणे भेजा गया, जिससे कलवा में बड़ी मात्रा में पानी की कटौती हुई। इसके विरोध में राकांपा शहर अध्यक्ष सुहास देसाई, कार्यकारी अध्यक्ष प्रकाश पाटिल, महिला अध्यक्ष सुजाताताई घाग, नताशा आव्हाड के मार्गदर्शन में डॉ. जितेंद्र आव्हाड के नेतृत्व में जोरदार मार्च निकाला गया। इस बार प्रदर्शनकारियों ने प्रभाग समिति कार्यालय के सामने मटके फोड़कर अपना विरोध जताया।मनपा क्षेत्र की जनसंख्या 27 लाख है। शहर को प्रतिदिन 616 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति का कोटा है। हकीकत में शहर को प्रतिदिन 585 मिलियन लीटर पानी की आपूर्ति की जाती है। इसमें से 250 मिलियन लीटर पानी मनपा की अपनी जलापूर्ति योजना से, 135 मिलियन लीटर महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल से, 115 मिलियन लीटर STEM कंपनी से और 85 मिलियन लीटर पानी बृहन्मुंबई महानगरपालिका से दिया जाता है। इसके अलावा कलवा को मिलने वाला पानी अब ठाणे में डायवर्ट कर दिया गया है, इसलिए ठाणे महानगरपालिका कलवा, खारीगांव, विटावा और डोंगर क्षेत्रों में आम जनता को दैनिक जीवन के लिए भी पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं करा पा रही है। साथ ही, जो पानी छोड़ा जा रहा है वह मटमैला है। पानी की समस्या आम जनता के लिए जीवन-मरण का प्रश्न बन गई है। इसलिए राकांपा की ओर से प्रशासन को जगाने के लिए यह आंदोलन किया गया। इन प्रदर्शनकारियों ने खाली बर्तनों के साथ महानगरपालिका के खिलाफ नारेबाजी की। साथ ही प्रभाग समिति के सामने मटके फोड़कर विरोध जताया। इस अवसर पर नताशा आव्हाड ने अपना गुस्सा जाहिर किया। कार्यकारी अध्यक्ष प्रकाश पाटिल ने चेतावनी दी कि यह मार्च सिर्फ दिखावा है, मुख्य आंदोलन अभी बाकी है। दूसरी ओर, जिला अध्यक्ष सुहास देसाई ने कहा कि ठाणे में अनधिकृत निर्माणों को पानी देने के लिए पानी है। लेकिन, यह अफसोस की बात है कि नागरिकों को पानी देने के लिए पानी नहीं है। इस आंदोलन में राजू खारकर, पूजा शिंदे, राजेश साटम, राजेश कदम, संगीता लोकर, साबिया मेमन, मेघा गवटे, राजू शिंदे, समीर नेटके, दिलीप उपाडे, ज्ञानेश्वर राजपंखे, अंकुश माधवी, पद्माकर पाटिल, रिंकू यादव, प्रमोद येरुंकर, सोनाली कदम आदि शामिल थे।

'होटल व्यवसाय पर कर वृद्धि रद्द करें, अन्यथा आंदोलन होगा'

- **नवी मुंबई होटल ओनर्स असोसिएशन का सरकार को अल्टीमेटम**

नवी मुंबई. राज्य सरकार द्वारा होटल व परमिट बार व्यवसायियों पर लागू की गई नई करप्रणाली और दरवृद्धि के विरोध में नवी मुंबई होटल ओनर्स असोसिएशन ने सरकार को आंदोलन की चेतावनी दी है। सोमवार को नेरुल में आयोजित बैठक में अध्यक्ष दयानंद शेट्टी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि यह अन्यायकारक दरवृद्धि वापस नहीं ली गई, तो राज्यभर के होटल मालिक, परमिट रूम संचालक और ग्राहक सड़कों पर उतरकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करेंगे।

मद्य उद्योग संकट में, सरकार कर का बोझ और बढ़ा रही है

बैठक में दयानंद शेट्टी ने कहा कि राज्य उत्पादन शुल्क विभाग ने राजस्व बढ़ाने के नाम पर खुदरा बिक्री क्षेत्र पर अन्यायपूर्ण नीति लागू की है। इस निर्णय का होटल व्यवसाय पर गंभीर असर हुआ है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि होटल व्यवसाय को औद्योगिक दर्जा प्राप्त होने के बावजूद न तो कोई रियायत मिलती है, न ही व्यवसायिक सहूलियतें।

बैठक में पारित प्रमुख रूप से मांग किया गया कि वार्षिक उत्पादन शुल्क में की गई वृद्धी रद्द की जाए, मूल्यवर्धित कर (VAT) को तुरंत हटाया जाए, परमिट रूम के सीमांकन और परमिट नियमों में शिथिलता लायी जाए, कर निर्धारण में जनसंख्या व व्यावसायिक क्षमता का विचार हो, उत्पादन शुल्क पहले बिक्री चरण में ही कम दर से लागू किया जाए और होटल व्यवसायियों से चर्चा कर नीति निर्माण करने की मांग किया गया। इस दौरान मंच पर अध्यक्ष दयानंद शेट्टी, उपाध्यक्ष जयप्रकाश शेट्टी, सरचिटणीस महेश शेट्टी, खजिनदार मोहन गौड़ा के अलावा माजी अध्यक्ष रविंद्र शेट्टी, झोनल उपाध्यक्ष डॉ. शिवा मुडीगेरे (वाशी), माजी अध्यक्ष शाम एन. शेट्टी सहित नवी मुंबई और पनवेल के होटल व बार मालिक उपस्थित थे।

अधिकारियों से मार्गदर्शन लिए बिना लिया गया निर्णय – महेश शेट्टी

संघ के उपाध्यक्ष जयप्रकाश शेट्टी और सरचिटणीस महेश शेट्टी ने बताया कि सरकार ने न तो होटल उद्योग के प्रतिनिधियों से चर्चा की, न ही किसी को विश्वास में लिया। अचानक की गई करवृद्धि का सीधा असर होटल मालिकों के साथ-साथ ग्राहकों पर भी हो रहा है। यह निर्णय आर्थिक रूप से पहले से जूझ रहे उद्योग को और संकट में डाल रहा है।

कासरवडवली फ्लाईओवर का मंत्री प्रताप सरनाईक ने किया उद्घाटन

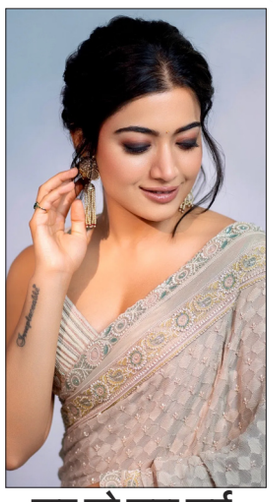

ठाणे. कासरवडवली फ्लाईओवर का पहला चरण आज से यातायात के लिए खोल दिया गया है। आज ठाणे जिले में एक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजना के पहले चरण का उद्घाटन मेरे द्वारा किया गया। मुझे इस पर गर्व है। यह बात परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कही। मंत्री सरनाईक ने कहा कि एक जनप्रतिनिधि के रूप में मैं घोड़बंदर, गायमुख, कासरवडवली क्षेत्रों में फ्लाईओवर की मांग पर लगातार काम कर रहा था। तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस परियोजना के लिए वित्तीय निधि स्वीकृत की। इसके कारण, इस परियोजना के पहले चरण को बहुत कम समय में पूरा करना संभव हो पाया है। इस परियोजना के कारण ठाणे, बोरीवली, वसई, जेएनपीटी, गुजरात के बीच यातायात अब आसान हो जाएगा, और गायमुख से वाघबिल मार्ग पर यातायात की भीड़ को कम करने में बहुत मदद मिलेगी। फ्लाईओवर का बायां हिस्सा आज से खोल दिया गया है, तथा दायां हिस्सा मानसून के बाद शुरू होगा। मंत्री सरनाईक ने कहा कि हम ठाणे के गतिशील विकास के लिए ऐसी बुनियादी सुविधाएं जारी रखेंगे।

रश्मिका मंदाना के बयान पर हुआ विवाद

- **खुद को कहा कुर्ग समुदाय की पहली एक्ट्रेस**
- **कई एक्ट्रेसेस ने दावे पर जताई नाराजगी**

रश्मिका मंदाना अपने उस बयान से विवादों में घिर गई हैं, जिसमें उन्होंने कहा कि वो कुर्ग समुदाय की पहली शख्स हैं, जो फिल्मों में आई हैं। यही वजह रही कि उन्हें घरवालों की नाराजगी का सामना करना पड़ा था। हालांकि एक्ट्रेस का ये दावा पूरी तरह झूठ है। रश्मिका मंदाना से पहले गुलशन देवैया, निधि सुबैया, नेरावंदा प्रेमा और शशिकला जैसी कई एक्ट्रेस और एक्टर कुर्ग समुदाय से फिल्मों में जगह बना चुके हैं। कई कुर्ग एक्ट्रेसेस ने जहां उनके दावे पर नाराजगी जताई है, वहीं सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस को जमकर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

क्या था रश्मिका मंदाना का बयान

रश्मिका मंदाना ने हाल ही में बरखा दत्त को दिए एक इंटरव्यू में कहा, जब मुझे मेरा पहला चेक मिला, तब घर पर बात करना आसान नहीं था, क्योंकि कुर्ग समुदाय से आज तक किसी ने फिल्म इंडस्ट्री में कदम नहीं रखा है। मुझे लगता है कि मैं पहली हूं जिसने इस समुदाय से इंडस्ट्री में कदम रखा। लोगों ने बहुत जज किया था।

सोशल मीडिया पर जमकर हुई आलोचना

एक्ट्रेस का बयान सामने आने के बाद 90 के दशक में कुर्ग समुदाय से फिल्मों में आईं एक्ट्रेस प्रेमा ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, मैं क्या कह सकती हूं। कोडावा (कुर्ग) समुदाय को पता है सच्चाई क्या है। आपको इस स्टेटमेंट के बारे में उन्हीं से (रश्मिका) पूछना चाहिए। मुझ से भी पहले शशिकला थीं, जिन्होंने सपोर्टिंग रोल निभाए हैं। फिर मैं इंडस्ट्री में आई, उसके बाद भी कई लोगों ने काम किया है। वहीं बॉलीवुड और कन्नड़ सिनेमा में काम कर चुकीं कुर्ग समुदाय की एक्ट्रेस निधी सुबैया ने रश्मिका के दावे पर कहा, इसे सीरियस मुद्दा नहीं बनाना चाहिए। हमें इसे नजरअंदाज करना चाहिए। वो अच्छा काम कर रही है। मैं उसके लिए दुआ करती हूं। प्रेमा हमारी कम्युनिटी की सुपरस्टार थीं। हम हमेशा उन्हें याद करते हैं।

400 विद्यार्थियों का नेत्र परीक्षण

मुंबई. कांजुरमार्ग पूर्व के सेंट फ्रांसिस स्कूल में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 3231A2 द्वारा किया गया था, जिसमें करीब४सौ विद्यार्थियों का नेत्र परीक्षण और रक्त जांच की गई।

इस दौरान नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा विद्यालय के विद्यार्थियों का नेत्र परीक्षण कर देखभाल के लिए सलाह दी गई।

लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट साइट फर्स्ट के चेयरमैन डॉ त्रिलोकी मिश्रा ने कहा कि विद्यार्थियों को नेत्र परीक्षण एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी जरूरी है और इससे होने वाले नेत्र रोग से उन्हें सुरक्षा मिलती है। उन्होंने बताया कि यहां करीब ४सौ विद्यार्थियों और स्कूल स्टॉफ का भी नेत्र और रक्त जांच की गई। इस दौरान डायबिटीज कमेटी के चेयरमैन लायन प्रियदेव मंगलम के अलावा अन्य क्लब सदस्य और स्कूल स्टॉफ उपस्थित थे।

पर्यावरण सुरक्षा के लिए वृक्षारोपण जरूरी

मुंबई. बजरंग दल सेवा सप्ताह के तहत मुलुंड पश्चिम स्थित तानसा पाइपलाइन के आसपास पौधरोपण . रविवार को किया गया और ४० से अधिक पौधे लगाए गए। इस अवसर पर जन सहयोगी फाउंडेशन के अध्यक्ष प्रदीप झा ने कहा कि पर्यावरण सुरक्षा के लिए वृक्षारोपण जरूरी है। इसके लिए हम सभी को अधिक से अधिक पौधे लगाने के लिए संकल्प लेना चाहिए।

इस पौधरोपण अभियान में विहिंप व बजरंग दल के अलावा सामाजिक कार्यकर्ता अक्षय सऊदी , संजय सिंह, सूर्या यादव कौस्तुभ देशमुख, प्रदीप झा, गणेश पांडे, अशोक सोनी, अविनाश विश्वकर्मा, रमेश पटोले, इंद्रजीत दुबे , अनिल सिंह , धनराज शर्मा , सर्वेश मिश्रा प्रकाश विश्वकर्मा दुर्गेश राठौड़, मनोज सिंह ओमकार मिश्रा, अनिल ऊपर आदि शामिल थे।

आम सूचना

मैं श्री वसंत वाल्मिक सांगले सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, बैरक नं. 390, रुम नं.5, पोस्ट आफिस के पास, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 08एआय014774000) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती रवीना मोहन किशनानी व श्रीमती पूजा हरगुन किशनानी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 8.7.2025 सी.नं. 365/2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री वसंत वाल्मिक सांगले

आम सूचना

मैं श्री सहदेव मदारी बाथम सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, बैरक नं. 110 के पीछे, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 06एओ014559400) उक्त प्रॉपर्टी श्री बालकृष्ण रावण पाटील के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 1.7.2025 सी.नं. 2433/2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री सहदेव मदारी बाथम

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099